

परियोजना का नाम :- जनपद रुद्रप्रयाग में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित, जावरी से जयकण्डी (अजयपुर से ककोला) मोटर मार्ग (लम्बाई 3.00 कि०मी०) के नव निर्माण हेतु हस्तान्तरण प्रस्ताव।

प्रतिवेदन

भारत सरकार के ग्रामीण विकास मन्त्रालय द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आय और उत्पादन रोजागार अवसरों के अधिक मात्रा में सृजन एवं स्थायी रूप से गरीबी निवारण करने के उद्देश्य से पर्वतीय क्षेत्र में 250 से अधिक आवादी वाले असंयोजित बसावटों को किसी भी बारहमासी सम्पर्क मार्ग से जोड़ने का कार्यक्रम संचालित किया गया है। उक्त के क्रम में सचिव, ग्राम्य विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन के पत्रांक :- **311/XI/16/56(08)2014** दिनांक **21 जनवरी 2016** उत्तराखण्ड शासन द्वारा उपरोक्त मोटर मार्ग प्रधान मन्त्री ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत अनुमोदित किया गया है। (शासनादेश की फोटो प्रति संलग्न है)

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार बसावट जयकण्डी की आवादी 299 है जो अभी तक किसी भी मोटर मार्ग से नहीं जुड़ा है। उन्नत कृषि भूमि होने के कारण क्षेत्र की जनता का मुख्य व्यवसाय कृषि एवं पशुपालन है, परन्तु यातायात की सुविधा न होने से कास्तकारों को अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है साथ ही यातायात के साधन न होने से सरकार द्वारा घोषित विभिन्न विकास कार्य भी क्षेत्र में सुगमता पूर्वक संचालित नहीं हो पाते हैं। अन्य रोजगार के साधन न होने से बेरोजगार युवाओं का शहरों की ओर पलायन हो रहा है। मोटर मार्ग निर्माण हो जाने से जहाँ युवाओं के लिए नये रोजगार के अवसर स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सकेंगे, वहीं सरकार की विकास योजनायें भी सुगमता से संचालित हो सकेंगी।

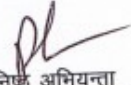
उल्लेखनीय है कि पर्वतीय क्षेत्र में कास्तकारों की नाप भूमि के अतिरिक्त समस्त प्रकार की भूमि को वन भूमि श्रेणी में ले लिया गया है। इस मार्ग के संरेखण में नाप भूमि 0.828 है०, सिविल सोयम भूमि 0.000 है० एवं वन पंचायत भूमि 1.456 है०, प्रभावित हो रही है जो न्यूनतम एवं अपरिहार्य है, एवं आरक्षित वनभूमि 0.000 है, जिसका भूमि हस्तान्तरित करने हेतु वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्राविधानों के अन्तर्गत प्रस्ताव गठित कर प्रेषित किया जा रहा है। तथा यह भी उल्लेखनीय है कि परियोजना हेतु वृक्षों की गणना 7 मीटर में की गई है जो की वास्तविक रूप से पातन किये जाने है। भूमि अधिग्रहण 7 मीटर चौड़ाई में की गई है।

विस्तृत सर्वेक्षण उपरान्त इस मार्ग के निर्माण हेतु 2 संरेखणों पर विचार किया गया है जिन्हें प्रस्ताव में संलग्न इन्डैक्स मानचित्र में अलग-अलग रंग से दर्शाया गया है।

संरेखण नं० 1 :- उक्त मोटर मार्ग निर्माण के लिए संरेखण-1 पूर्व निर्मित जावरी से जयकण्डी मोटर मार्ग के किमी० 9.00 से प्रारम्भ करते हुए अजयपुर एवं ककोला गांव को जोड़ते हुए 3.00 कि०मी० की लम्बाई में पहुंचाया गया है। उक्त मोटर मार्ग में 2 हेयर पिन बैंड आते हैं। इस संरेखण-1 में रोड में (1रू२० तः 1रू२४ तः 1रू४० तः 1रू२०) ग्रेड आते हैं। उक्त मोटर मार्ग निर्माण हेतु 12.00 किमी० लम्बाई की स्वीकृति प्राप्त है। 3.00 किमी लम्बाई में हिल साइड कटिंग का कार्य किया जाना है। इसलिए 3.00 किमी० सर्वेक्षण कर संरेखण-1 तैयार किया गया है। संरेखण-1 में व्यक्तिगत नाप भूमि, वनभूमि एवं सिविल सोयम भूमि आती है। संरेखण-1 से ग्रामवासी एवं जनप्रतिनिधि पूर्ण रूप से सहमत है।

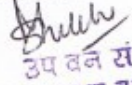
संरेखण नं० 2 :- उक्त मोटर मार्ग निर्माण के लिए संरेखण-1 पूर्व निर्मित जावरी से जयकण्डी मोटर मार्ग के किमी० 9.00 से प्रारम्भ करते हुए अजयपुर एवं ककोला गांव में 3400 कि०मी० की लम्बाई में पहुंचाया गया है। उक्त मोटर मार्ग में 3 हेयर पिन बैंड आते हैं। इस संरेखण-1 में रोड में (1रू२० तः 1रू२४ तः 1रू४० तः 1रू२०) ग्रेड आते हैं। उक्त मोटर मार्ग निर्माण हेतु 12.00 किमी० लम्बाई की स्वीकृति प्राप्त है लेकिन वास्तविक लम्बाई 12.400 कि०मी० आती तथा 3.00 किमी लम्बाई में हिल साइड कटिंग का कार्य किया जाना है। इसलिए 3.00 किमी० सर्वेक्षण कर संरेखण-2 तैयार किया गया है। इस संरेखण में 12 मी० स्पान का 1 कल्वर्ट भी आते हैं। संरेखण-2 में व्यक्तिगत नाप भूमि, वनभूमि एवं सिविल सोयम भूमि आती है। संरेखण-2 से ग्रामवासी एवं जनप्रतिनिधि सहमत नहीं है एवं नापभूमि लागत अधिक होने के कारण तकनीकी दृष्टि से भी उक्त संरेखण-2 उपयुक्त नहीं है।

उक्त को ध्यान में रखते हुए संरेखण नं० 2 को निरस्त कर संरेखण नं० 1 को अनुमोदित किया जाता है। इन दोनों का सर्वेक्षणों का भूवैज्ञानिक द्वारा भी निरीक्षण किया गया है एवं उनके द्वारा संरेखण नं० 1 को मार्ग निर्माण हेतु तकनीकी, पर्यावरणीय एवं भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त पाया गया है। (प्रतिलिपि संलग्न है) अतः 3.00 कि०मी० लम्बाई में ग्राम्य विकास विभाग के मानकों के अनुसार नाप भूमि में 9 मीटर चौड़ाई तथा 2.080 किमी० लम्बाई में आने वाली आरक्षित वनभूमि तथा सिविल सोयम भूमि 1.456 है० प्रधान मन्त्री ग्रामीण सड़क योजना (ग्राम्य विकास विभाग) को हस्तान्तरित करने हेतु वन संरक्षण अधिनियम 1980 के प्राविधानों के अन्तर्गत यह प्रस्ताव गठित कर प्रेषित किया जा रहा है।


कनिष्ठ अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, सिंचाई खण्ड,
रुद्रप्रयाग


सहायक अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, सिंचाई खण्ड,
रुद्रप्रयाग


अधिशोषी अभियन्ता
पी०एम०जी०एस०वाई०, सिंचाई खण्ड,
रुद्रप्रयाग


उप वन संरक्षक
रुद्रप्रयाग वन प्रभाग
रुद्रप्रयाग